



बुधवार
1 जनवरी 2025, घनघाद

हिन्दुस्तान 2025

भयोसा नए हिन्दुस्तान का

नए साल की शुभकामनाएं

• पांच प्रदेश • 24 संस्करण

2025

नव वर्ष की
हार्दिक शुभकामनायें



उत्तम क्वालिटी .. बेमिसाले स्वाद

मिल्कोमोर

पशु आहार

मिल्कोमोर पशु आहार की ओर से
आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनायें

दूध बहेगा,
मुनाफा बढ़ेगा..



Badho

Milkomore Pashu
MILKOMORE SUPREME MASH...
GTIN: 890334911021
MRP: ₹1400.00

Milkomore Pashu
MILKOMORE 6000 PF (50 KG) 4MM ...
GTIN: 8903278100921
MRP: ₹1500.00

Order Now

दुकानदार भाई!
Badho App से ऑर्डर लगायें और
पायें हर ऑर्डर पर आकर्षक स्क्रीम

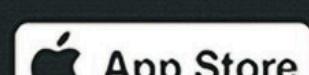
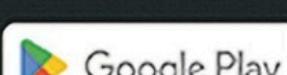
निर्माता
कपिला
कृषि उद्योग लि.

सम्पर्क करें

9310500105



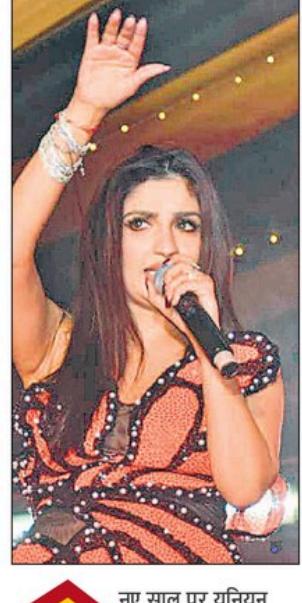
अभी Badho App डाउनलोड करें



डांस, मर्स्तीवधमालसंग नए साल का आगाज

जश्न

धनबाद, प्रमुख संवाददाता। आज की रात मजा हुस्न का आंखों से लौजिए... तु है मेरी पहली खालिश, तु है आखिरी कसम, तेरा मेरा छूटे न साल हो मेरे पिया जमन जम... कभी जी बाल्लव बरसे न देखे तुम्हें भरके, तु लगे मुझको बारिश की दुआ... मेरा पिया बड़ा रंगीला की बात मेरी मानोगा... जैसी गाने बॉलीवुड सिंगर रूपाली जग्मा ने यूनिवर्स कलब में लाइव शो के दैरान अपनी गाने की धून पर लोगों की झामया। रूपाली ने कहा कि धनबाद आकर मुझे अपनापन लगा। मैंने भी यूपी के छोटे से शहर से आती हूं, जब छोटे शहर कार्यक्रम करने जाती हूं तो मुझे अपनापन लगता है।



नए साल पर यूनिवर्स कलब में संगीत प्रस्तुत करती रूपाली जग्मा।



यूनिवर्स कलब में मंगलवार की रात रूपाली जग्मा के कार्यक्रम में झूमती-नाचती धनबाद की महिलाएं और युवतियां।

■ कहीं बॉलीवुड के सिंगर तो कहीं सारेगामा रियलिटी शो के सिंगर ने बांधा समा, नए साल के जश्न में दूबे रहे जिले वासी

वलबों में नए साल के जश्न में दूबे लोग



नए साल के पहले दिन यूनिवर्स कलब में रूपाली जग्मा के गीतों पर झूमते युवा और बच्चे।



यूनिवर्स कलब में मंगलवार की आधी रात नए साल का जश्न मनाती महिलाएं।

शहर के दो प्रमुख लंबवों में शाम ढलते ही माहौल ऐसा बना कि लोग शिरकरने को मजबूर हो गए। कई बॉलीवुड फिल्मों में आया है युक्ती रूपाली जग्मा ने यूनिवर्स कलब की शाम की ओर रसीद बना दिया। धनबाद कलब में रियलिटी शो के सिंगर माया नारंग महफिल सजाने के लिए पहुंची थी। शहर के प्रमुख होटलों में भी नए साल के जश्न का आयोजन किया गया था।

पार्किंटन रिंजर्ट, गोविंदपुर वेलोकॉ और सोनोटेल होटल में नए साल के स्वागत के लिए कार्यक्रम आयोजित किये गए।



यूनिवर्स कलब में रूपाली जग्मा ने अपने नृत्य-गीतों से साल को यादगार बनाया।



साल के अंतिम दिन बिरसा मुंडा पार्क में झूला झूलती युवतियां।



धोवाटांड में नववर्ष को लेकर भजन कीर्तन कर श्याम मंडल के सदरय।

धनबाद, बरीय संवाददाता। श्याम मंडल धोवाटांड की ओर से मंगलवार को खाली वाले श्याम के कीर्तन के साथ नए साल का स्वागत किया गया। श्री श्याम का अलौकिक शृंगर देखा कीर्तन के सदरयों ने श्री श्याम प्रभु को अपने भजनों से रियाकारी बुधवार के लिए निसान यात्रा निकाली। जाएगी। आयोजन को सफल बनाने में ममती सिंह, गौरव गर्म, विशाल मितल, प्रभात सुरीलिया, जिंद्रें अग्रवाल, राजेश, अशोक मितल आदि का

श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड प्रार्थना की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्डू, पेड़ा आदि का

स्वामी भगवान् गंगा में सभी ओंप्राणेत्र हुए। श्री श्याम प्रभु की अर्खवंड ज्योत जलाई गई। श्याम प्रभु का भंडारा का आयोजन किया गया।

श्याम प्रभु की भक्तों ने बृद्धियां स्वामी के साथ बुद्धिया तिलकुट, फल, मेवा, लड्ड



शोभायात्रा के दौरान लोकगीतों पर नृत्य करती वर्षियां।



मंगलवार को आयोजित डहरे दुसू के दौरान रणधीर वर्मा चौक पर नाचती—गाती युवतियां।

पारंपरिक नृत्य करते हुए सैकड़ों युवक-युवतियां स्टीलगेट से रणधीर वर्मा चौक तक निकाली गई शोभायात्रा में हुए शामिल

डहरे दुसू में झलकी झारखंडी लोक संस्कृति

उत्सव

■ वहद झारखंड कला संस्कृति मंच की ओर से डहरे दुसू परब धूमधाम से मना गया। मंगलवार को सारायदेला शिव मंदिर से सैकड़ों की संख्या में युवक-युवतियां पारंपरिक नृत्य-गीत के साथ सङ्करण पर निकले।

चउल (दुसू परब का प्रतीक चिह्न) के साथ-साथ अपने पारंपरिक वाय बंडों ढाल, मांदर, धामसा, पेटी की धुन, होठों पर लोकगीत और पारंपरिक नृत्य पर धिकरके पांच। सैकड़ों की भीड़ में यह नजारा पर सङ्करण पर उत्तर तो मानों झारखंडी की सांस्कृति धरोहर ही शाहर की सङ्करणों पर उत्तर आई हो, जिसके बीच वह नजारा देखा, उसकी नजरें ठीठक गई। कार्यक्रम को लेकर कई जगह ट्रैफिक जाम की समस्या हुई, इसलिए बीच-बीच में ट्रैफिक के बाने किया गया।

सारायदेला के शिव मंदिर से डहरे दुसू की शोभायात्रा निकली जाए, जो स्टीलगेट, सरायदेला थाना मोड़, आईएसपीएम, पुलिस लाइन होते हुए रणधीर वर्मा चौक पर उत्तर किया। शहर के लोगों को झारखंडी पर उत्तर आई हो, जिसके बाद नजारा देखा, उसकी नजरें ठीठक गई। कार्यक्रम को लेकर कई जगह ट्रैफिक जाम की समस्या हुई, इसलिए बीच-बीच में ट्रैफिक के बाने किया गया।

सरायदेला के शिव मंदिर से लेकर रणधीर वर्मा चौक तक निकाली गई शोभायात्रा में शामिल लोग।

■ ढोल, मांदर, धामसा, पेटी की धुन और लोकगीत से गूंजता रहा शहर, आकर्षक झांकी ने मोहा



कंवारी कन्याएं करती हैं दुसू की स्थापना : अयोध्या न समिति से जुड़े लेकर पहुंचे और मुख्य कार्यक्रम में शामिल हुए। बताया कि दुसू परब अंती महतो ने बताया कि शोभायात्रा में झारखंड, बंगाल, ओडिशा आदि राज्यों के लोग दुसू के माह तक कानूनों के बाने को लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि शोभायात्रा में बांधने के बाने को लोग दुसू की पर्यावरण का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

जुड़े अंत महतो ने बताया कि दुसू की

स्थापना के बाने को लोग दुसू की

प्रयोग का बढ़ावा देते हैं। जिसे के

कोने-कोने से लोग दुसू की शोभायात्रा

मांदर बाजे रे बांसी बाजे रे अखड़े गहम झूमर लागे रे...

शहर 30's

धनबाद, मुख्य संचादाता। वीबीएमकेयू कुलपति प्रो. रामकुमार सिंह ने कहा कि भाषा मन की संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त मायथ है। खोरठा भाषा का टोन भाषा नहीं है। इस भाषा को सुनकर आसानी से समझा जा सकता है। इसकी लिपि भी देवनागरी है तो आसानी से लिखा भी जा सकता है।

सभी स्वयं अच्छे से पढ़ाई कर अपने घर-परिवार के साथ विश्वविद्यालय का भी मान रोशन करें। मंगलवार को कुलपति ने चिंता के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा केंद्र में आयोजित श्री निवास पानुरी की

104वें जंबनी सह खोरठा पर्वतारा दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता खोरठा कवि सुकुमार ने श्रीनिवास पानुरी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए स्वरचित लोकगीत मांदर बाजे रे बांसी बाजे रे अखड़े गहम झूमर लागे रे एवं सोहराय गीत गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ये हुसैन ने दावा माल करन न विराग झंडा। सलाम करा न, प्रवाय महतो ने भौजी सुना न और प्रो. अमित ने हाय रे कलियुगी बटा गया, डॉ. मुकुद रविदास ने केतू कांव गए मैया दहिया झट की गेल, तो युता ढेरी भईंद धरावा तो भौजी गेल, बौकारो कारखाना भईंद ताओ नाय नैकरी

भईंद, केतू कांव द... गीत गाकर समा वांध दिया। कुलपति ने सभी को अंग वक्ता, पुष्पमुच्छ एवं सृष्टि चित्तन प्रदान किया। कोयला आर माटी लेखक डॉ. मुकुद रविदास, सारथा के फूल प्रयाग तोहते एवं यारे हुसैन की पुस्तक सहराई का लोकाधिक प्रयाग गया। विश्वास अतिथि संकायाव्यक्ष प्रो. पृष्ठा कुमारी ने लोकगीतों में झारखंड की संस्कृति पर विशेष प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुकुद रविदास ने एवं धन्यवाद जान डॉ. युता सिंह की कार्यक्रम का प्रयाग महतो ने भौजी पर महेंद्र ब्रह्मद्वे एवं प्रवाय महतो ने भौजी पर महेंद्र उपरित थे।



वीबीएमकेयू में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में शामिल कुलपति प्रो. रामकुमार सिंह व अन्य।

एनआईआरएफ को इस पहल के लिए पत्र लिख रहा आईआईटी आईआईटी करेगा सातविविक को आगे बढ़ने में करेगा मदद



- ज्ञारखंड व आसापास के सात विश्वविद्यालय का चयन करेगा एनआईआरएफ
- विकसित मारत 2047 में आईआईटी का व्याहोग योगदान, इसपर चल रहा मंथन

एक सवलूसिव

■ अग्रित वक्त

धनबाद। आईआईटी आईएसएम धनबाद नए वर्ष में झारखंड समत आसापास की सात यूनिवर्सिटी को आगे बढ़ने में मदद करेगा। यह मदद एकमेंक से लेकर अच्छे क्षेत्रों में दी जाएगी। आईआईटी धनबाद ने यह पहल शुरू की है। एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूट, ऑफ रैकिंग फ्रेमवर्क) को पत्र लिखा जा रहा है।

एनआईआरएफ ही यह तथ्य करेगा कि वासा प्रकाश के लिए राज्य के विश्वविद्यालय होंगे। आईआईटी आईएसएम धनबाद के उपरिदेशक प्रो. धीरज कुमार ने बताया कि हमलोग चाहते हैं कि झारखंड व आसापास के

धनबाद, विशेष संचादाता। नए साल में भाजा बड़े पैमाने पर सांगठनिक बदलाव की तैयारी है। मस्तविक अधिवक्ता के बाद राज्यीय, प्रदेशी, जिला और मंडल स्तर पर संगठन में फेरबदल तय है। बदलाव की इस जद में धनबाद महानगर और धनबाद ग्रामीण भी है।

बदलाव की आधार भर से जिले के भाजाएँ सुनियोग हो गए हैं। संगठन में जाग धारणा के लिए लालब्बी विश्वविद्यालय नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा में संगठन में जगह पाने को लेकर जिलासार्वी के लिए लालब्बी विश्वविद्यालय नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों को इस अस्पताल से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी।

तजीजी ही जाएगी। संकेत वह भी है कि चेत्रे बदले जाएंगे। धनबाद भाजपा

में संगठन में जगह नेता अभी से महसूद हुआ और अपनी की जरूरत नहीं होगी। मंगलवार को यहां चार हेल्थ इफोर्मेशन केंटर इंस्टॉल किया गया है। इस केंटराइट इंस्टॉल कियोस्क में एक लिंक पर मरीजों

नए साल में 700 करोड़ की योजनाओं की मिलेगी सौगत

नया साल धनबाद में नई उम्मीदें लेकर आ रहा है। शहर में 700 करोड़ की योजनाओं का काम अंतिम चरण में है। पिछले चार-पांच साल से इन योजनाओं पर काम चल रहा था, अब ये योजनाएं पूरी होने वाली हैं। सड़क, पार्किंग, अस्पताल से लेकर नागरिक सुविधाओं की योजनाएं नए साल में पूरी होने वाली हैं। इन योजनाओं के पूरे होने पर लोगों को कई नई सुविधाएं मिलेंगी। नए पथ निर्माण, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग की ये योजनाएं धरातल पर उतरेंगी।



गोविंदपुर-साहिबगंज सड़क हो रही फोरलेन
साहिबगंज-गोविंदपुर सड़क के 17 किलोमीटर के शुरुआती हिस्से को सरकार फोरलेन कर रही है। गोविंदपुर से पूर्वी दूरी के पोखरिया तक 170 करोड़ से ज़्यादा को फोरलेन किया जा रहा है। तोनी से सड़क निर्माण का काम चल रहा है। लातार सड़क पर हो रही दुर्घटनाओं के बाद सड़क को फोरलेन करने की योग्यता रही थी। नए साल में इस सड़क के निर्माण की गति बढ़ाने की संभावना है।

गोविंदपुर-साहिबगंज सड़क को पूर्ण करने के पोखरिया तक फोरलेन करने के लिए हो रहा सर्व।

उम्मीद की तस्वीरें

बरवाअड़ा, मैथन व मुगमा को मिलेगी जाम से निजात

गतिकोशिकार्यकार्य 2025

धनबाद, प्रमुख संवाददाता। बरवाअड़ा, मैथन और मुगमा में लगभग बाला ट्रैफिक के जाम अब परेशान नहीं करेगा। एनएसएसएल की 400 करोड़ की योजना का काम अंतिम चरण में है। इन तीनों जगहों पर अब पलाईओवर की निर्माण हो चुका है। शहर की फहली मल्टीस्टोरी पार्किंग की भी काम पूरा हो चुका है।

नगर निगम की ओर से बैंक मोड़े के निगम कार्यालय को तोड़ कर 25 करोड़ से मॉल सह मल्टीस्टोरी पार्किंग तैयार किया है। आचार सहितों से पहले इसका उद्घाटन भी सीएम ने कर दिया। जनवरी-फरवरी में लोगों को यहां पार्किंग की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। इसमें बने मॉल को नगर निगम काम पर देने की तैयारी कर रहा है। 400 करोड़ की लागत से बरवाअड़ा से मूल्यांकित जाम कार्य पूर्ण हो जाएगा। एनएसएसएल की 114 एकड़ 1444 करोड़ 94 लाख रुपए की लागत से निर्माण कार्य चल रहा है। फोरलेन की लबाई 45.16 किलोमीटर होगी। फोरलेन में 5 फीटसीढ़ी ग्रीन फोरड सड़क केंद्रुआ-कर्केद के लोगों को जाम की समस्या से राह खोली गई।

देवघर-बासुकीनाथ फोरलेन: नववरी 2025 में देवघर से बासुकीनाथ फोरलेन का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाएगा। एनएसएसएल की 114 एकड़ 1444 करोड़ 94 लाख रुपए की लागत से निर्माण कार्य चल रहा है। फोरलेन की लबाई 45.16 किलोमीटर होगी। फोरलेन में 5 फीटसीढ़ी ग्रीन फोरड सड़क केंद्रुआ-कर्केद के लोगों को जाम की समस्या से राह खोली गई।

फोरलेन में देवघर से बासुकीनाथ पैदल जाने वाले कांवरियों व ढंडी यात्रियों के लिए साढ़े तीन मीटर चौड़ी सड़क अलग से बन रही है। रास्ते में कांवरियों के बैठने व पानी की सुविधा होगी।

फोरलेन में देवघर से बासुकीनाथ पैदल जाने वाले कांवरियों व ढंडी यात्रियों के लिए साढ़े तीन मीटर चौड़ी सड़क अलग से बन रही है। रास्ते में कांवरियों के बैठने व पानी की सुविधा होगी।



भूली ए ब्लॉक में रेलवे पर नया ओवरब्रिज बनकर तैयार। इससे खरिकाबाद, कुसुंडा, गोधर समेत बोकारो जाने का मार्ग और सुगम होगा।

400 करोड़ की सड़क योजना पूरी होगी धनबाद जिले में

12 करोड़ की लागत से भूली ए ब्लॉक में बनाया जा रहा ओवरब्रिज

नए साल में सौगत

- बैंक मोड़ में नगर निगम कार्यालय को तोड़ कर 23 करोड़ रुपए से मॉल सह मल्टीस्टोरी पार्किंग का निर्माण किया जा रहा है।
- देवघर से बासुकीनाथ तक फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य और सार्कृतिक भवन तैयार हो जाएगा।

बैंकमोड़ में मल्टीस्टोरी पार्किंग बनकर तैयार है।

नए साल में लोगों को यह सुविधा मिलेंगी। निर्माण कार्य और सार्कृतिक भवन तैयार हो जाएगा।

- रविराज शर्मा, नगर आयुक्त



साहिबगंज के मिजाजीकी से फरवरका तक एनएच फोरलेन से सीधा सम्पर्क बिहार, परिचम बंगाल व पूर्वोत्तर के राज्यों से हो जाएगा।

साहिबगंज: बिहार, बंगाल व पूर्वोत्तर के राज्यों से होगी सीधा सम्पर्क

धनबाद। मिजाजीकी से फरवरका तक एनएच फोरलेन का काम पूरा होने पर इस क्षेत्र में सीधा सम्पर्क बिहार, परिचम बंगाल व पूर्वोत्तर के राज्यों से हो जाएगा। ग्रीनफैस्ट परियोजना के निर्माण के तहत 1302 करोड़ की लागत से पैकेज 01 का काम चल रहा है। पैकेज 01 में बांसकोला से केनाड़ी तक 42.7 किमी में राजमार्ग निर्माण का काम तोनी से चल रहा है।

नए साल में धनबाद को दिल्ली, मुंबई व दक्षिण भारत की मिलेगी ट्रेन 15 हजार आग प्रभावितों

■ रिकांत झा

धनबाद। वर्ष 2024 को धनबाद रेल मॉडल में लोडिंग के स्वर्णिंग काल के लिए रुपए में याद रखा जाएगा। लोडिंग के साथ-साथ स्पेशल ट्रेन चलाने के मालाले में भी वर्ष 2024 खास रहा। दो दशक में यह बहला मौका था, जब धनबाद से एक साथ लंबी दूरी की तीन-तीन सेशल ट्रेनें चलीं। नए साल में धनबादवासियों को रेलवे से कई उपर्योग हैं। इस साल धनबाद से ट्रिलों होने पर जम्मूकशी और धनबाद से नासिक रोड के बीच चल रही है। यह सड़क भी नए साल में बनकर तैयार हो जाएगी। पिछले तीन वर्षों में धनबाद से इस्पातनकर के बीच नई रेलाइन बनायी गई है। इसके बाद धनबाद स्टेशन से कोयबढ़ के बीच चल रहा है। बिसर्ग के लिए धनबाद रेल से धनबाद ट्रेन के लिए अनुकूल नहीं माना जाता, लेकिन बीते से अलपूँछ की तोंस किलावे हैं। धनबाद से एलपूँछ से अलपूँछ की तोंस किलावे हैं। धनबाद से एलपूँछ के लिए स्पेशल ट्रेनें चल रही हैं। अपको बता दें कि दिसंबर और जनवरी महीनों को कोहरे के कारण नई त्रैमासिक धनबाद ट्रेन के लिए बदला दिया जाएगा।



धनबादवासियों को इस साल रेलवे से हो जाएगा

- दक्षिणी छोर रेलेन के पास रेल कोय रेलोरेट
- दिल्ली की ट्रेनों में कटौती की जब न रहे और ओवरब्रिज का निर्माण पूरा हो जाएगा।
- कोयिंग यार्ड में नए मैकेनिज्ड लारेजी की शुरूआत मैल्टीप्रिंटिंग के कारण धनबाद रेलेन के स्पॉर्स में बदलाव तोतों होकर धनबाद से इस्पातनकर के बीच नई रेलाइन

जंगल, पहाड़ के बीच राजगीर के पुनर्वास की उम्मीद

जंगल, पहाड़ के मिलेगी सौगत

धनबाद, मुख्य संवाददाता। पहाड़, जंगल और सुरंगों के बीच वर्ष 2025 में प्राकृतिक रेल यात्रा की गोद में बनाया जाना चाहिए। यह निर्माण कार्य चल रहा है।

धनबाद-रेल मॉडल की बहुप्रतीक्षित रेल परियोजना जाने वाले को बहुमिल कोडमारा-राजगीर रेल यात्रा का साथ-साथ सार्कृति बनाया जाएगा। मई-जून में कोडमारा से तिलैया होकर राजगीर तक रेल रूट बन कर तैयार होने की संभावना है। हालांकि रेलवे तो तो 31 मार्च 2025 तक ही काम पूरा करने की संभावना है।

20 साल पहले वर्ष 2004 में ही कोडमारा-याजीर रेल लंबड़ के निर्माण की गोद में बनाया जारी रहा। इसके बाद जल्दी भी शामिल कोडमारा-राजगीर रेल यात्रा की धोषणा की गयी। माना जा रहा है कि कोडमारा-राजगीर रेल लंबड़ पूरा होते ही नई ट्रेन की की धोषणा कर दी जाएगी।

राजगीर से एक ट्रेन राजगीर नहीं जाती है। फिलाल धनबाद से एक ट्रेन राजगीर नहीं जाती है।

कोडमारा के बीच रेलवे से धनबाद जाने की संभावना है।

कोडमारा के बीच रेलवे से धनबाद जाने की संभावना है।

धनबाद, विशेष संवाददाता। कोयलांचल के लोगों ने नए साल में धनबाद रेल यात्रा की विशेषता को बढ़ावा दिया। इस क्षेत्र में सीधा सम्पर्क बिहार, परिचम बंगाल व पूर्वोत्तर के राज्यों से हो जाएगा। इस क्षेत्र में उनका टिकाना कहाँ होगा। अंदरखाने सुचाना के अनुसार रेलवे लाइन को बहुत जल्दी मंजूरी दिलाने की संभावना है। 81 सीधे संवेदनशील क्षेत्रों में 14,460 परिवार पुनर्वास के लिए यात्रा की गयी। 81 अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में 14,460 परिवार रहे हैं। 81में 1,860 रेलवे वर्ष वर्ष 2019 के कट ऑफ़ 4,600 रेलवे ट्रेनों की मात्रा हो गई है। फिलाल धनबाद से धनबाद जाने की संभावना है।

इसमें 81 क्षेत्रों विवरणी की धोषणा की गयी। मात्रा हो गई है। 81 अतिसंवेदनशील क्षेत्रों से लोगों को खाली कराने के लिए पुनर्वास की योजना है।

क्रिकेट से खो-खो तक में चमक बिखरने का मौका

उम्मीदें
2025

12 साल का सूखा
वैष्णविंस ट्रॉफी में
खत्म हो सकता है | 13 जनवरी से खो-खो
का पूर्वावधि टूर्नामेंट होगा

नवर्वर्ष भारतीय खेलों
के लिए कई बड़ी
उम्मीदें लेकर आ रहा
है। कई कीर्तिमान
बनाने का मौका होगा
तो कई नए स्टार मिल
सकते हैं। क्रिकेट से
लेकर एथलेटिक्स,
शतरंज, हॉकी व खो-
खो में चमक बिखरने
का अवसर होगा।



हॉकी: खिताब बचाने के प्रयास
■ जूनियर पुरुष टीम के समाने
खिताब बचाने की चुनौती
होगी। तो जूनियर महिला
(विली) टीम छहली बार
विश्व कप की ट्रॉफी जीतने
को कोशिश करेगी।

क्रिकेट: स्वर्णिम दांव की दरकार
■ सौनियर टीमें एफआईएच
प्रो लीग के अनावा अन्य
बड़े टूर्नामेंटों में शानदार
प्रदर्शन करना चाहेंगी।
क्रिकेट: चैपियंस ट्रॉफी
में भारत को बड़ी उम्मीद
■ क्रिकेट टीम चैपियंस ट्रॉफी
का 12 साल का खिताबी सूखा
खस्त करने को बेताब होगी। भारत
अपने क्षमाकाल में बोल्ड
रहती है तो फिर जूनी
जीतने की खोलाई करेगा।
■ जूनियर महिला टीम कुआलालंपुर में
अंडर-19 टी-20 विश्व कप का
खिताब बचाने उत्तराधीं सीनियर
टीम बनडे विश्व कप में पहली बार
फहल का सपना पूरा करना चाहेगी।

एथलेटिक्स: नीरज
चोपड़ा पर फिर नजरें
स्टार भाला फॅंक खिलाड़ी
नीरज चोपड़ा विश्व वैष्णविंस ट्रॉफी
(13-21 सिंतंबर, ठोकोयो) में
अपना खिताब बचाने उत्तराधीं।
उनके अलावा अन्य खिलाड़ी भी
इस प्रतिटिथ वैष्णविंस ट्रॉफी
में पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

शतरंज: नई ऊँचाई
छुने का मौका मिलेगा
सबसे युवा विश्व वैष्णविंस ट्रॉफी
युकेश के सामने खिताब
बरकरार खेलने की चुनौती
होगी। पिछले साल सुनहरी
झावरत लिखने वाले इडियानंद,
अर्जुन एरिगेंटी जैसे खिलाड़ी
भी नई ऊँचाईया छूना चाहेंगे।

खो-खो : पहला
वैश्विक टूर्नामेंट
खो-खो विश्व कप (13-19
जनवरी) में होगा। यह माटी
से ऊड़ा पहला वैश्विक टूर्नामेंट
होगा। मेजबान होने के नाते
भारतीय पुरुष और महिला टीमें
वैष्णविंस बनकर देश को नए
साल का तोहफा देना चाहेंगी।

क्रिकेट: चैपियंस ट्रॉफी
में भारत को बड़ी उम्मीद



■ भारतीय क्रिकेट टीम चैपियंस ट्रॉफी
का 12 साल का खिताबी सूखा
खस्त करने को बेताब होगी। भारत
अपने क्षमाकाल में बोल्ड
रहती है तो फिर जूनी
जीतने की खोलाई करेगा।
■ जूनियर महिला टीम कुआलालंपुर में
अंडर-19 टी-20 विश्व कप का
खिताब बचाने उत्तराधीं सीनियर
टीम बनडे विश्व कप में पहली बार
फहल का सपना पूरा करना चाहेगी।

■ कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म ने पैदा की टीम संतुलन की उलझन ■ बुमराह को दूसरे तेज गेंदबाजों का साथ न मिलना भी चिंता

सिडनी टेस्ट से पहले ढूँढ़ने होंगे कई सवालों के जवाब

बॉर्ड
गावस्कर
ट्रॉफी

दिल्ली, हिन्दुस्तान ब्यूरो। मेलबर्न की हार ने भारतीय टीम को झक्कझोर दिया है। तीन जनवरी से शुरू हो रहा सिडनी टेस्ट अब भारत के लिए करो या मरो वाला होगा। इससे पहले भारतीय टीम के सामने सवालों के जवाब ढूँढ़ने की चुनौती होगी।

सबसे बड़ा सवाल कप्तान रोहित शर्मा को लेकर होता है। सर्वश्रेष्ठ अंतिम 11 के चरण में रोहित का खराब प्रदर्शन नहीं हुआ। मरार कप्तान ही 'झाँ' हो जाए या सचेष्यों से हटे, इसकी सम्भावना कम है। अब रोहित ने अपनी क्रम में चले और न ओपनिंग में। मरार इसके 'इनकर्फॉन' के लिए राहुल का क्रम जरूर हिल गया। रोहित ने इस सत्र की पिछली 15 पारियों में महज 164 रन बनाए हैं। अब सिडनी में रोहित किस क्रम में खेलते हैं वह देखा रोक जाएगा।

टीम प्रबंधन के सामने सवाल एक और बल्लेबाज को लेकर भी होगा। उनका नाम ही शुभमान गिल। रोहित और विराट की उपस्थिति में गिल मेलबर्न के बाहर की बाहरे?

एक सलाना गेंदबाजी की लेकर भी ही होगा। उनकी अंतिम 11 के चरण में रोहित का खराब प्रदर्शन नहीं हुआ। इससे गेंदबाजी में गहराई की कमी दिखी।

■ **सुझाव:** एक अतिरिक्त तेज गेंदबाजी को शामिल करना चाहिए, चाहे इसके लिए जेडेजा या सुनहरा कम हो। अब रोहित ने अपनी क्रम में नहीं है, तो उन्हें बाहर करना व राहुल-गिल की सलमी जोड़ी को मौका देना बेहतर।

अंतिम मैच में क्या कड़े फैसले होंगे?

सिडनी टेस्ट की जीतना है तो भारत को स्टीक रणनीति बनानी होगी। टीम चयन में भावनात्मक फैसलों से बचते हुए मौजूदा फॉर्म और अंकड़ों को प्राथमिकता देनी होगी। क्या हो सकती हैं संभावनाएं। एक नजर-

1 गेंदबाजी का संतुलन

सिडनी टेस्ट में भारत को अपनी गेंदबाजी आक्रमण में बल्लेबाज करना जरूरी है। मेलबर्न में खिलाड़ों और तीन सीम गेंदबाजों के साथ खेलने का प्रयोग सफल नहीं हुआ। इससे गेंदबाजी में गहराई की कमी दिखी।

■ **सुझाव:** एक अतिरिक्त तेज गेंदबाजी को शामिल करना चाहिए, चाहे इसके लिए जेडेजा या सुनहरा कम हो। अब रोहित ने अपनी क्रम में नहीं है, तो उन्हें बाहर करना व राहुल-गिल की सलमी जोड़ी को मौका देना बेहतर।

2 कप्तान रोहित शर्मा की स्थिति

रोहित के आंकड़े सेम देशों में औसत (28.17) के हिसाब से कमज़ोर हैं, जबकि आंकड़ों का औसत (42.22) व शुभमान गिल की युवा ऊँचाई उन्हें टीम में बनाए रखने का मजबूत दर्शन देती है।

■ **सुझाव:** अगर रोहित ने अपनी क्रम में नहीं है, तो उन्हें बाहर करना व राहुल-गिल की सलमी जोड़ी को मौका देना बेहतर।

3 विराट कोहली का अनुभव

कोहली का ऑस्ट्रेलिया में शानदार रिकॉर्ड (औसत 49, सात शतक) और हालिया शानदार उन्हें अहम खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है। ■ **सुझाव:** कोहली को मध्यक्रम में बनाए रखते हुए उनके अनुभव का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए।

4 युवा खिलाड़ियों का निवेश

शुभमान गिल 12 साल छोटे हैं और भवित्व के महत्वपूर्ण खिलाड़ी हो। उनका 2020-21 का ऑस्ट्रेलिया दौरा शानदार रहा था।

■ **सुझाव:** गिल को तीव्र अवधि के लिए भरोसा देना चाहिए, वह भविष्य है।

5 विराट कोहली का अनुभव

कोहली का ऑस्ट्रेलिया में शानदार रिकॉर्ड (औसत 49, सात शतक) और हालिया शानदार उन्हें अहम खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है।

■ **सुझाव:** कोहली को मध्यक्रम में बनाए रखते हुए उनके अनुभव का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए।

6 युवा खिलाड़ियों का निवेश

शुभमान गिल 12 साल छोटे हैं और भवित्व के महत्वपूर्ण खिलाड़ी हो। उनका 2020-21 का ऑस्ट्रेलिया दौरा शानदार रहा था।

■ **सुझाव:** गिल को तीव्र अवधि के लिए भरोसा देना चाहिए, वह भविष्य है।

7 युवा खिलाड़ियों का निवेश

एक सहायक तेज गेंदबाज और तीन ऐसे गेंदबाज जो ये परिस्थितों के साथ साझेदारी कर सकते हैं। अब रोहित ने अन्यान्य गेंदबाजों को अनुसार असरावास कराने की चाही दिखाई दी है।

■ **सुझाव:** एक सहायक तेज गेंदबाज जो ये परिस्थितों के साथ साझेदारी कर सकता है। अब रोहित ने अन्यान्य गेंदबाजों को संभावना की दिखाई दी है।

8 युवा खिलाड़ियों का निवेश

एक सहायक तेज गेंदबाज और तीन ऐसे गेंदबाज जो ये परिस्थितों के साथ साझेदारी कर सकते हैं। अब रोहित ने अन्यान्य गेंदबाजों को अनुसार असरावास कराने की चाही दिखाई दी है।

■ **सुझाव:** एक सहायक तेज गेंदबाज जो ये परिस्थितों के साथ साझेदारी कर सकता है। अब रोहित ने अन्यान्य गेंदबाजों को संभावना की दिखाई दी है।

9 युवा खिलाड़ियों का निवेश

एक सहायक तेज गेंदबाज और तीन ऐसे गेंदबाज जो ये परिस्थितों के साथ साझेदारी कर सकते हैं। अब रोहित ने अन्यान्य गेंदबाजों को अनुसार असरावास कराने की चाही दिखाई दी है।

■ **सुझाव:** एक सहायक तेज गेंदबाज जो ये परिस्थितों के साथ साझेदारी कर सकता है। अब रोहित ने अन्यान्य गेंदबाजों को संभावना की दिखाई दी है।

न्यूजीलैंड में सबसे पहले आतिशबाजी के साथ नए साल का आगाज

दुनिया में नए साल 2025 का आगाज सबसे पहले न्यूजीलैंड के ऑकलैंड और वैलिंगटन में हुआ, जहां भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे आतिशबाजी कर नए साल का स्वागत किया गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के सिडनी, मेलबर्न में शाम साढ़े सात बजे और वर्षीय सिडनी में रात 8 बजे धूमधाम से नए वर्ष का जशन मना किया गया। सिडनी में जशन मनाने के लिए हार्बर बिज पर काफी लोग जुटे और रंग-बिरंगी आतिशबाजी देखी।



ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड शहर में सबसे पहले नव वर्ष 2025 का जशन मनाया गया। यहां देश के सबसे ऊचे स्काई टावर पर जमकर आतिशबाजी की गई।



सिडनी

ऑस्ट्रेलिया में भी नए साल की शुरुआत धूमधाम से हुई। इस दौरान सिडनी के हार्बर ब्रिज पर रंग बिरंगी आतिशबाजी हुई। ● गणदर्शन

एक्सप्रेसवे-हाईवे के लिए नया नियम 24 जनवरी से लागू होगा, हाई स्पीड वाहन चालक दूर से देख सकेंगे संकेतक राजमार्गों पर यातायात संकेत बदल जाएंगे

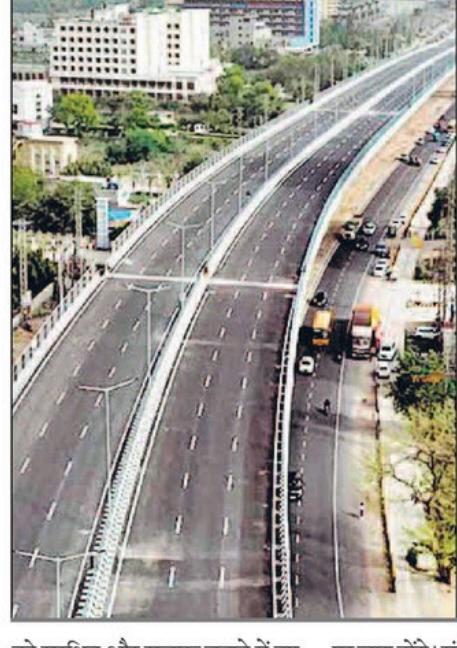
बदलाव

अदर्श सिंह

नई दिल्ली। नए साल में देश के एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्गों को ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए केंद्र 24 जनवरी से नया यातायात संकेत नियम लागू करने जा रहा है। इसके तहत अब राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर बड़े आकार के बोर्ड पर बड़े संकेतक होंगे। इनी तरह अक्षर-सचित्र बोर्ड भी देखने को मिलेंगे।

बड़े बोर्ड और संकेत हाई स्पीड वाहन चालक आसानी से देख सकेंगे और सफर रुटे सही नियम लेंगे। नए नियम के तहत बोर्ड पर लिखे दिया-निर्देशों का उल्लंघन करने पर चालकों पर जुर्माना लगेगा। मालूम हो कि सङ्केतक परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने उन्नत विषय पर एक विशेषज्ञ समिति गठित की थी।

सङ्केतक परिवहन मंत्रालय ने इस बाबत गत दिवस नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे के सफर



1033

इमरेंसी हेल्पलाइन नंबर के बोर्ड पर पांच किलोमीटर की दूरी पर लगाना जरूरी

04

रेंजों से सफेद, लाल, पीला और हरे का इस्टरेमल किया जाएगा राजमार्गों पर रोड मार्किंग के लिए

सुरंग से आधा किलोमीटर दूर बोर्ड लगेगा

प्रत्येक पांच किलोमीटर पर इमरेंसी हेल्पलाइन नंबर 1033 का बड़ा बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा। ग्रामीण क्षेत्र से गुजरने वाले राजमार्गों और सुरंग आदि से 500 मीटर पहले इमरेंसी कॉल बॉक्स का बोर्ड लगाया जाएगा, जिससे जरूरत पड़ने पर यात्री किसी भी तरह की मदद मांग सकेंगे।

को सुरक्षित और सुचारू बनाने में नए यातायात संकेतों की अहम भूमिका होगी। नए दिशा-निर्देश पूर्व में जारी किए गए तमाम नियमों का स्थान लेंगे और भविष्य की सङ्केतक परिवहन और आप संयोजक ने भाजपा शासित 20 राज्यों में यह योजना शुरू करने की चुनौती दे डाली।

पुराणी ग्रामीण समान जो नए योजना के तहत पंजीकृत हो गयी थीं और अद्वितीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे के सफर

पर लागू होंगे। संकेत से जुड़े नए बोर्डों को सावधान-चेतावनी, अनिवार्य-नियमक और सूचनाप्रद-मार्गदर्शक की श्रेणी में रखा गया है।

एडवास संकेत बोर्ड लगाए

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं। वहां वाहन को सहायता के लिए एडवास संकेत बोर्ड 500 मीटर, एक और दो किलोमीटर पहले लगाएं जाएंगे।

जाएंगे : गति सीमा, प्रवेश निषेध, अच्युत विनाशकों आदि के संकेत यातायात नियंत्रण में सहायक साबित होंगे। पुल, फ्लाइओवर, रोड अंडर ब्रिज, रोड और ब्रिज, सुरंग आदि के लिए 500 मीटर पहले बोर्ड लगाएं

jac
OLIVOL

Happy New Year

from jac Olivol Group



2025
HAPPY NEW YEAR

ROUND THE YEAR,
PAINLESS BODY & HEALTHY SKIN

Late Rashmoy Das
(AYURVEDA RATNA)

Creator of the Brand

jac
OLIVOL
BODY OIL



EASTERN INDIA'S LARGEST SELLING AYURVEDIC HERBAL BODY OIL